जनसंपर्क विभाग
अमेरिकी दूतावास

प्रेस समाचार

शांतिपथ, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली 110021 दूरभाष: 011-24198000 एक्सटेंशन: 8827 फैक्स: 011-24198817
ईमेल: mpl@pd.state.gov इंटरनेट वेबसाइट: http://usembassy.state.gov/delhi.html

फरवरी, 2006

अमेरिका, भारत और यूएनओडीसी ने मानव व्यापार प्रतिरोधी परियोजना शुरू की

नई दिल्ली -- संयुक्त राष्ट्र के संयुक्त राष्ट्र के मादक पदार्थ व अपराध कार्यालय (यूएनओडीसी) ने अमेरिका और भारत के सहयोग से आज एक परियोजना की शुरुआत की। अमेरिकी सरकार की वित्तीय सहायता से यूएनओडीसी की यह दुनिया की सबसे बड़ी मानव व्यापार प्रतिरोधी परियोजना है। भारत में बढ़ती हुई इस समस्या से लड़ने के लिए तीनों भागीदारों ने मानव व्यापार, विशेषकर महिलाओं और बच्चों के व्यापार को रोकने के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया।

अमेरिकी सरकार ने यूएनओडीसी कार्यक्रमों में 20 लाख डालर से अधिक की सहायता देने का संकल्प लिया तथा इस परियोजना के भाग के रूप में अतिरिक्त खर्चे में भारत अपना योगदान करेगा। यह सहायता भारत में मानव व्यापार को रोकने के लिए अमेरिका द्वारा लगभग 80 लाख डॉलर देने के संकल्प का हिस्सा है। यूएनओडीसी परियोजना को महाराष्ट्र, गोवा, पश्चिमी बंगाल तथा आंध्र प्रदेश, चार राज्यों के गृह मंत्रालयों के साथ लागू किया जाएगा।

भागीदारी के उद्घाटन समारोह में अमेरिकी दूतावास के उपराजदूत रॉबर्ट ओ. ब्लेक ने कहा, ''मानव व्यापार एक दुखद समस्या है जिसे दूर करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग की आवश्यकता है। अमेरिकी सरकार द्वारा 20 लाख डॉलर देने का निश्चय भारत सरकार तथा यूएनओडीसी के साथ मिलकर इस पीड़ा से लड़ने के दृढ़ संकल्प को रेखांकित करता है।''

दो वर्षों तक कार्यक्रमों की एक शृंखला द्वारा यह परियोजना मानव व्यापार के कानून प्रवर्तन अधिकारियों के बीच जागरूकता पैदा करने का प्रशिक्षण देगी तथा जांच एवं मानव व्यापार करने वालों पर अभियोजन करने की उनकी क्षमता को मजबूती प्रदान करेगी।

भारत व पूरी दुनिया में मानव व्यापार प्रतिरोधी कार्यक्रमों के लिए अमेरिकी विदेश विभाग के ऑफिस ऑफ ग्लोबल ट्रैफिकिंग इन परसन ने 5 करोड़ डॉलर की सहायता दी है।

***